सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 64 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 7 अप्रैल, 2022

मूल्य ₹ 3/-

गलतियां हमेशा क्षमा की जा सकती हैं, यदि आपके पास उन्हें स्वीकारने का साहस हो।

-ब्रूस ली

राज्य के संसाधनों पर पहला हक... 8 | संगठन को मजबूत करने में जुटे... 3 | लोकतंत्र की सीरियल किलर है... 7

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

पुलिस से झड़प, हिरासत में नेता

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने फटकारी लाठियां

फोटो: सुमित कुमार

» पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर लखनऊ की सड़कों पर उतरे कांग्रेसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आज लखनऊ में महंगाई को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस से प्रदर्शनकारियों की झड़प भी हुई। पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हल्का बल प्रयोग किया। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा समेत तमाम नेताओं और कार्यकताओं को हिरासत में लिया गया है।

महंगाई के मुद्दे पर कांग्रेस भाजपा सरकार को संसद से सड़क तक घेर रही है। तय कार्यक्रम के मुताबिक कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी, नसीमुद्दीन सिद्दीकी और कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता अपने हाथों में तख्तियां लेकर चल रहे थे। कार्यकर्ता जब से भाजपा आयी है, महंगाई देश में छायी है, का नारा भी लगा रहे थे। वहीं प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस मुस्तैद थी। माल एवन्यू स्थित कांग्रेस मुख्यालय से जैसे ही पार्टी कार्यकर्ता राजभवन की ओर बढ़े उनको बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया गया। गुस्साए कार्यकर्ता बैरिकेडिंग को हटाकर आगे जाने की कोशिश करने लगे। इस पर उनकी पुलिस से झड़प हुई और पुलिस ने लाठियां भांजी। इसमें एक कार्यकर्ता के घायल होने की खबर है। पुलिस ने विरोध प्रदर्शन कर रहे कई कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को इको गार्डन ले जाया गया है। इसके पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महंगाई के विरोध में दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया था। गौरतलब है कि कल ही कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने महंगाई के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन का ऐलान किया था।

16 दिन में दस रुपये बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। तेल कंपनियां ने पिछले 16 दिनों में पेट्रोल-डीजल के दामों में 14वीं बार वृद्धि की है। अब तक कीमतों में 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसके कारण यूपी समेत अधिकांश राज्यों में पेट्रोल की कीमत सौ रुपये लीटर के पार हो चुकी है।

> अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल सस्ता होने के बावजूद भाजपा सरकार महंगा तेल और रसोई गैस बेच रही है, लोग बेरोजगारी और आय न बढ़ने से परेशान हैं लेकिन भाजपा सरकार अपना खजाना भरती जा रही है। पूरा देश मंहगाई से परेशान है लेकिन भाजपा को जनता के प्रति कोई मानवीय संवेदना नहीं है।
>
> आराधना मिश्रा, नेता विधानमंडल दल, कांग्रेस

अब बाबा का बुलडोजर चला सपा विधायक के पेट्रोल पंप पर

» मानचित्र पास नहीं होने पर की गयी कार्रवाई

» पिछले दिनों विवादित बयान देने पर दर्ज हुआ था मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। अब बाबा का बुलडोजर सपा विधायक शहजिल इस्लाम के पेट्रोल पंप पर चला। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने उनके सीबीगंज स्थित पेट्रोल पंप पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की है। इस दौरान बड़ी संख्या में फोर्स तैनात रही। अफसरों को जमीन सीलिंग होने की भी जानकारी मिली है। इसकी जांच कराई जा रही है।

बरेली विकास प्राधिकरण ने आज परसाखेड़ा में सपा के भोजीपुरा विधायक शहजिल इस्लाम के पेट्रोल पंप पर कार्रवाई की। बीडीए के मुताबिक पेट्रोल पंप का मानचित्र पास नहीं है। नोटिस देकर मानचित्र मांगा गया था लेकिन कागज उपलब्ध न होने पर कार्रवाई की गई है। हाल ही में शहजिल इस्लाम ने एक स्वागत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ विवादित बयान दिया था, जिसके बाद उनके खिलाफ थाना बारादरी में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गयी थी।

एक दिन पहले संपन्न हुआ संसद का बजट सत्र, कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

» सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव समेत विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं से पीएम ने की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । संसद के बजट सत्र का आज समापन हो गया। इसके साथ ही लोक सभा व राज्य सभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। बजट सत्र पूर्व निर्धारित 8 अप्रैल से एक दिन पहले संपन्न हुआ है। संसद के बजट सत्र के समापन के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव व अन्य नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे।

संसद का बजट सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ था और यह दो चरणों में आयोजित किया गया था। पहले चरण के तहत संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही, राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ 31 जनवरी को शुरू हुई थी, जो 11 फरवरी तक चली थी। वहीं बजट सत्र का दूसरा चरण 14 मार्च से शुरू हुआ था और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इसे 8 अप्रैल तक चलाया जाना था लेकिन एक दिन पहले ही समाप्त कर दिया गया।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए योजनाबद्ध ढंग से करें काम : सीएम

» जीएसडीपी के आधार पर यूपी देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 10 खरब डॉलर बनाने के लिए योजनाबद्ध ढंग से प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि अर्थव्यवस्था को विस्तार देने के लिए विभिन्न सेक्टरों का संतुलित विकास किया जाए। निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए टाइमलाइन बनाकर कार्यवाही के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर एक बैठक में 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाए जाने के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप इस दिशा में तेजी से प्रयास किए जाएं। वर्ष 2017 के बाद यूपी राज्य पूंजी निवेश के लिए एक आकर्षक स्थान के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच सालों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की रैंकिंग में देश में द्वितीय स्थान पर है। जीएसडीपी के आधार पर उत्तर प्रदेश् देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जिला-एक उत्पाद योजना समेत कौशल विकास मिशन और किसानों की आय में वृद्धि के लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं। प्रत्येक स्तर की शिक्षा को गुणवत्तापरक बनाने तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ बनाने के बेहतर परिणाम मिले हैं। एक्सप्रेस-वे के विशाल नेटवर्क के साथ प्रदेश की अवस्थापना सुविधाएं लगातार मजबूत हो रही हैं।

रोजगार उपलब्ध कराने में नंबर वन बना उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत देश में सबसे ज्यादा निवेश और रोजगार उपलब्ध कराने वाला पहला राज्य बना है। यह उपलब्धि वैश्विक महामारी कोरोना और प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों के बावजूद दर्ज की गई है। सीएम योगी ने पिछले पांच साल में बीमारू राज्य के रूप में गिने जाने वाले प्रदेश की दशा और दिशा बदलने में बड़ी भूमिका निभाई है। प्रदेश में विभिन्न विभागों की 21 से ज्यादा नई नीतियां लागू की गई हैं और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में 14वें से दूसरे पायदान पर पहुंचा है। इसी का नतीजा है कि पिछली कई सरकारों की तुलना में प्रदेश में पहली बार चार लाख 68 हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव आए हैं, जिसमें से साढ़े तीन करोड़ से अधिक के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं।

गन्ना किसानों को सौ दिन में होगा आठ हजार करोड़ का भुगतान, कार्ययोजना तैयार

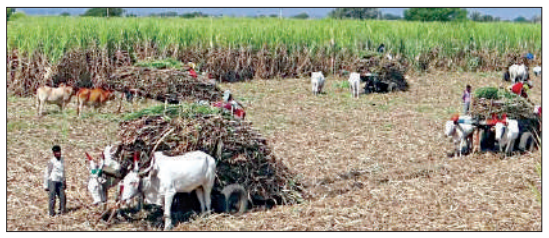

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के 46 लाख गन्ना किसानों को यूनीक ग्रोअर कोड (यूजीसी) जारी होगा। इससे बिचौलियों का सफाया होगा और किसानों को समय से गन्ना आपूर्ति करने में आसानी होगी। गन्ना विभाग ने इसका जिक्र अपनी सौ दिन की कार्ययोजना में किया है। अपर मुख्य सचिव संजय आर भूसरेड्डी के मुताबिक गन्ना किसानों को पिछले बकाए का शत प्रतिशत भुगतान हो चुका है और हाल का भी 75 प्रतिशत भुगतान हो चुका है। सौ दिन की कार्ययोजना में गन्ना किसानों को आठ हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। 168 गन्ना सहकारी विकास समितियों एवं 152 गन्ना परिषदों की ऑनलाइन कंप्यूटराज्ड बैलेंस शीट तैयार कराई जाएगी।

समितियों के पांच लाख अंशधारक किसानों को प्रमाणपत्रों का वितरण होगा। गौरतलब है कि प्रदेश में 46.5 लाख किसान लगभग 25.7 लाख हेक्टेयर में गन्ने की खेती करते हैं। सौ दिन की कार्ययोजना में इन किसानों का डिजिटल सर्वेक्षण कर उनको यूजीसी जारी किया जाएगा। वहीं गन्ने की उत्पादकता बढ़ाने व लागत घटाने के लिए नौ सूत्री कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसके अलावा 15 हजार किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे उन्नत खेती कर सकें और ज्यादा मुनाफा कमाएं। इसके अलावा लगभग एक लाख हेक्टेयर फसल में तरल नैनो यूरिया का छिड़काव कराया जाएगा। इससे उत्पादन लागत में कमी और पर्यावरण में शुद्धता आएगी।

उत्तराखंड में नौकरशाही में बदलाव के संकेत

» आईएएस राधिका झा छुट्टी से लौटीं, प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे मुरुगेशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी राधिका झा बाल देखभाल अवकाश (सीसीएल) से लौट आई हैं। जबकि आईएएस अधिकारी एसए मुरुगेशन पांच साल की प्रतिनियुक्ति पर तमिलनाडु जाएंगे। केंद्र सरकार से उनकी तैनाती के आदेश हो चुके हैं। आईएएस कैडर के दो अन्य वरिष्ठ अधिकारियों भी प्रतिनियुक्ति पर जाने की तैयारी कर रहे हैं।

इस बीच शासन स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल के भी आसार हैं। नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी इसके संकेत दिए हैं। उत्तराखंड की नौकरशाही में बदलाव की संभावना है। इस बदलाव की शुरुआत सचिवालय से होगी। सचिव राधिका झा बाल देखभाल अवकाश से लौट आई हैं। लेकिन अभी उनकी तैनाती नहीं हो पाई है। इस बीच 2005 बैच के आईएएस अधिकारी एसएस मुरुगेशन प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे। केंद्र सरकार ने उन्हें तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित इंदिरा गांधी एटोमिक रिसर्च सेंटर में इंटरनल फाइनेंस एडवाइजर के पद पर तैनाती दे दी है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के अनुसचिव दीपक शर्मा ने मुख्य सचिव को इस संबंध पत्र भेजा है। मुरुगेशन के पास आपदा प्रबंधन व ग्राम्य विकास का जिम्मा है। एक अन्य आईएएस अधिकारी की भी प्रतिनियुक्ति पर जाने की तैयारी है।

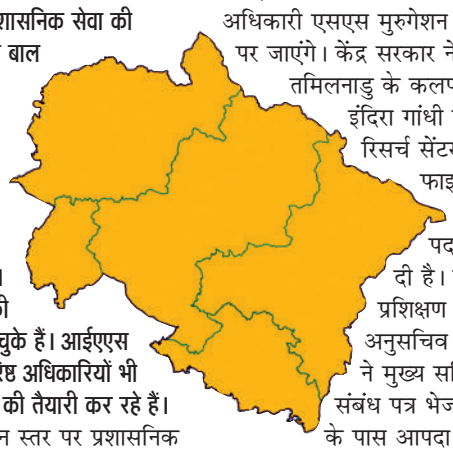

गाजीपुर में सपा के पूर्व सांसद राधेमोहन सिंह ने पार्टी छोड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। पूर्व सांसद राधेमोहन सिंह ने बसपा सांसद अफजाल अंसारी और मुख्तार पर निशाना साधने के साथ ही पार्टी से अपनी राह अलग कर ली। एमएलसी चुनाव के पूर्व समाजवादी पार्टी के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है, दूसरी ओर जिले में सभी विधायक सपा और गठबंधन के होने की वजह से पार्टी में बगावत होना सपा के लिए पूर्वांचल में चुनौती और बढ़ गई है।

सपा के पूर्व सांसद राधेमोहन सिंह ने अंसारी बंधुओं की वजह से सपा में अपराधीकरण होने का आरोप लगाते हुए पार्टी से इस्तीफा दिया तो सियासी हलकों में पूर्वांचल में सपा में अंदरूनी नाराजगी सामने आ गई। उनका कहना था कि राजनीति से अपराधीकरण खत्म होना चाहिए, लेकिन यहां तो अपराधी के बेटे को टिकट देकर विधायक बनाया जा रहा है। अपराधियों का बोलबाला होने की वजह से ही इस बार सपा की सरकार नहीं बनी सकी है। पूर्व सांसद ने कहा कि वह पिछले 33 सालों से पूरी निष्ठापूर्वक पार्टी से जुड़े हुए थे, लेकिन अफसोस है कि जिले में सपा को माफिया चला रहा है। अफजाल अंसारी पर्दे के पीछे से सपा की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी ने सपा से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ा था।

» बगावत होना सपा के लिए पूर्वांचल में बड़ी चुनौती

चुनाव खत्म होते ही किए वादे भूल गई सरकार : राकेश टिकैत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने केंद्र को चेतावनी दी है कि देश में जल्द ही एक और किसान आंदोलन शुरू हो सकता है। उन्होंने सरकार पर पिछले साल किए वादों को अब तक न निभाने का आरोप लगाते हुए किसानों से अगले आंदोलन के लिए तैयार रहने का आह्वान किया है। टिकैत ने कहा कि अभी हमने आंदोलन की कोई तारीख तय नहीं की है लेकिन हम जल्द ही इसे शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। तीन विवादित कृषि कानून वापस लेने के साथ ही किसानों ने सरकार से कई और मांगे की थीं, जिनमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून बनाने की भी मांग भी थी। टिकैत ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के बाद सरकार सब कुछ भूल गई है लेकिन किसानों को वे वादे नहीं भूले हैं। सब याद है।

नटखट बच्चा....

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

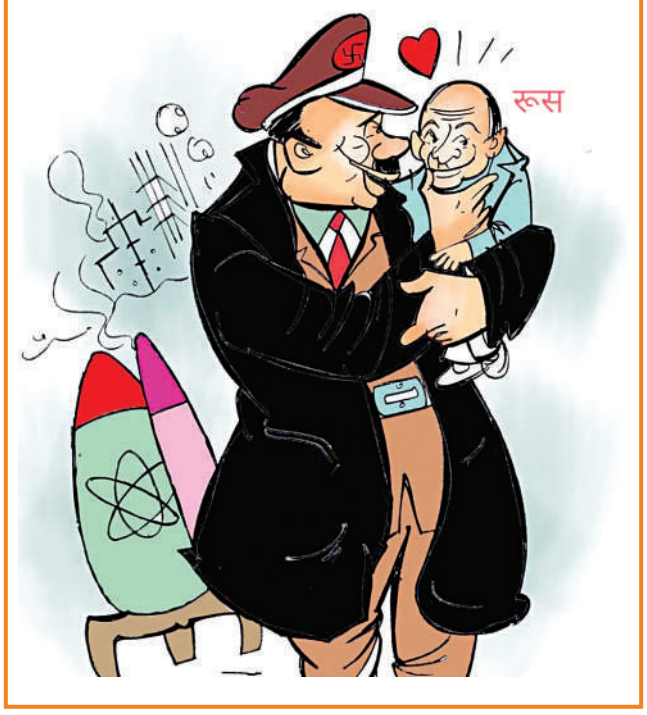

संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले, देश के हर गांव में शुरू करेंगे संघ की शाखाएं, खाका तैयार

» कश्मीरी हिंदुओं की घर वापसी के लिए ठोस प्रयास किए जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कोर ग्रुप की चिंतन बैठक के दूसरे दिन शताब्दी वर्ष में संघ के लक्ष्य को लेकर लेकर चर्चा की गई। इस दौरान निर्णय लिया गया कि देश के प्रत्येक गांव में संघ की शाखाएं शुरू की जाएंगी ताकि संघ के राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। देहरादून में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की अध्यक्षता में संघ के कोर ग्रुप की बैठक में शाखाओं के विस्तार और प्रथम व द्वितीय प्रशिक्षण वर्ग शिविर के आयोजन का खाका तैयार किया गया।

आरएसएस वर्ष 2025 में शताब्दी वर्ष पूरा करने जा रहा है। शताब्दी वर्ष में देश के प्रत्येक प्रांत के गांव तक संघ की शाखाएं शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इसके अलावा कश्मीरी हिंदुओं के मुद्दे पर मोहन भागवत ने कहा कि उनकी वापसी इस तरह होनी चाहिए कि उन्हें फिर उजाड़ा न जा सके, उस पर सरकार ही नहीं, सभी दलों को भी गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। इसलिए देना चाहिए, क्योंकि कई विपक्षी दल बहुचर्चित फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को न केवल खारिज कर रहे हैं, बल्कि उसे झूठी फिल्म भी बता रहे हैं। इसी तरह जहां कुछ नेता इस फिल्म को यूट्यूब पर अपलोड करने जैसे बेतुके बयान दे रहे हैं, वहीं कुछ यह दुष्प्रचार करने में जुटे हैं कि यह फिल्म नफरत फैला रही है। भागवत ने कहा यह महज राजनीतिक शरारत ही नहीं, बल्कि कश्मीर से मार भगाए गए लाखों कश्मीरी हिंदुओं के जख्मों पर नमक छिड़कने की कोशिश भी है। इस घोर संवेदनहीनता के पीछे एक उद्देश्य वोट बैंक की राजनीति को साधना है। वास्तव में माहौल खराब करने की कोशिश तो ऐसे ही लोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीरी हिंदुओं की हत्याओं और उनके भयावह उत्पीड़न की सच्ची घटनाओं पर आधारित कश्मीर फाइल्स सफलता के नए मानदंड स्थापित कर रही है तो इसीलिए कि उसने 32 साल बाद कश्मीर के दिल दहलाने वाले सच को सामने लाने का काम किया है। जो लोग भी कश्मीर फाइल्स को वैमनस्य फैलाने वाली बताने की कुचेष्टा कर रहे हैं, उन्हें एक तो यह जानना चाहिए कि यह फिल्म संयुक्त अरब अमीरात में भी रिलीज होने जा रही है और दूसरे इससे भी कि दुनिया भर में नरसंहारों या फिर समुदाय विशेष के उत्पीड़न पर दर्जनों फिल्में बन चुकी हैं।

संगठन को मजबूत करने में जुटी भाजपा, मामूली चंदा लेकर लोगों को जोड़ने का अभियान शुरू

» 30 अप्रैल तक चलेगा सूक्ष्म निधि सहयोग अभियान, पांच रुपये रखी गयी न्यूनतम राशि

» घर-घर जाएंगे कार्यकर्ता ऑनलाइन ली जाएगी सहयोग राशि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटी भाजपा जनता के बीच अपनी पैठ और बढ़ाने की तैयारी में जुट गयी है। भाजपा नेतृत्व संगठन को और मजबूत बनाने में जुटा है। इसके लिए पार्टी ने सूक्ष्म निधि सहयोग अभियान चलाने की योजना शुरू की है। इससे संगठन को आर्थिक और सामाजिक दोनों दृष्टि से मजबूती मिलेगी। अभियान में लोगों को भाजपा से जोड़ा जाएगा तो आर्थिक सहयोग भी लिया जाएगा। अधिक से अधिक लोग अभियान से जुड़ें, इसके लिए निधि सहयोग की न्यूनतम राशि पांच रुपये रखी गई है। अभियान में पहले अधिकाधिक कार्यकर्ताओं और फिर लोगों के घर-घर जाकर उन्हें पार्टी से जोड़ने की कार्ययोजना तैयार की गई है।

पार्टी के स्थापना दिवस यानी छह अप्रैल से यह प्रक्रिया शुरू हो गयी है। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑनलाइन चंदा जमाकर इसकी शुरुआत भी कर दी है। यह अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। अभियान के तहत लोगों से निधि सहयोग नगद की बजाय ऑनलाइन लिया जाएगा। अभियान के पीछे पार्टी की मंशा अधिक से अधिक से कार्यकर्ताओं को आर्थिक सहयोग के जरिये चुनाव के बाद नए सिरे से सक्रिय करने और उनमें पार्टी में आर्थिक भागीदारी का भाव जगाने की है। अभियान को सफल बनाने के लिए क्षेत्र, जिला और मंडल, हर स्तर पर जिम्मेदारी सुनिश्चित की गई है। हर स्तर पर एक-एक संयोजक बनाए गए हैं जो अभियान के क्रियान्वयन की निगरानी करेंगे। मंडल संयोजक बूथ समितियों के सहयोग से अभियान को सफल बनाएंगे। भाजपा नेता और क्षेत्रीय अध्यक्ष गोरखपुर धर्मेंद्र सिंह का कहना है कि सूक्ष्म निधि सहयोग अभियान का सीधा लक्ष्य अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को संगठन के कार्यों के लिए सक्रिय करना है। सहयोग की न्यूनतम धनराशि पांच रुपये रखने का उद्देश्य अधिक से अधिक कार्यकर्ता और लोगों को जोड़ना है।

स्थापना दिवस पर फहराया झंडा, निकाली प्रभातफेरी

भाजपा के स्थापना दिवस छह अप्रैल को पार्टी पदाधिकारियों ने समारोह की तरह मनाया। इसके तहत पार्टी कार्यकर्ताओं ने मंडल और जिला मुख्यालय पर भगवा झंडा फहराया। उसके बाद आसपास के क्षेत्रों में प्रभातफेरी निकाली। प्रभातफेरी के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोगों को पार्टी का स्लोगन भी सुनाया। कार्यकर्ताओं ने जिला, मंडल और बूथ स्तर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का लाइव प्रसारण सुना।

कोरोना महामारी से प्रभावित कर्मचारियों को बड़ी राहत देने जा रही यूपी सरकार

» कार्यालय आने में असमर्थ रहे कर्मचारियों को 21 दिनों का मिलेगा विशेष अवकाश

» प्रस्ताव को जल्द ही कैबिनेट से मंजूरी दिलाने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना वायरस संक्रमण से प्रभावित राज्य कर्मचारियों के हित में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार एक महत्वपूर्ण फैसला लेने जा रही है। कोरोना महामारी के कारण बड़ी संख्या में विभिन्न कारणों से कार्यालय आने में असमर्थ रहे राज्य कर्मचारियों को राज्य सरकार अधिकतम 21 दिनों का विशेष अवकाश स्वीकृत करेगी। यूपी में अभी तक राज्य कर्मचारियों के लिए कोरोना संक्रमण की स्थिति में विशेष अवकाश की व्यवस्था नहीं है।

कोरोना की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए राज्य सरकार यह फैसला करने जा रही है। वित्त विभाग के इस प्रस्ताव को जल्द ही कैबिनेट से मंजूरी दिलाने की तैयारी है। उत्तर प्रदेश में बीते दो सालों के दौरान कोरोना वायरस से राज्य कर्मचारी भी बड़े पैमाने पर प्रभावित हुए हैं। बड़ी संख्या में राज्य कर्मचारी कोरोना संक्रमित हुए और होम आइसोलेशन में रहने या इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होने के कारण कार्यालय में अनुपस्थित रहे। परिवार के सदस्यों के कोरोना संक्रमित होने पर स्वजनों की तीमारदारी और आइसोलेशन के तकाजे की वजह से कर्मचारी कार्यालय नहीं आ सके और उनकी अनुपस्थिति दर्ज की गई। ऐसे कर्मचारियों की भी बड़ी तादाद है जिनके घर कंटेनमेंट जोन में थे। कंटेनमेंट जोन में लागू पाबंदियों की वजह से वे कार्यालय आने में असमर्थ थे।

खाते में दर्ज छुट्टियां होंगी समायोजित

वित्त विभाग के प्रस्ताव के मुताबिक ऐसे राज्य कर्मचारी जो स्वयं या उनके परिवार के सदस्यों के कोरोना संक्रमित होने के कारण कार्यालय में अनुपस्थित रहे, उन्हें उनकी या परिवार के सदस्यों की कोरोना जांच रिपोर्ट निगेटिव आने तक या 21 दिन, जो भी कम हो, विशेष अवकाश स्वीकृत किया जाएगा। यदि कर्मचारी को कोविड की वजह से 21 दिनों से ज्यादा समय तक कार्यालय में अनुपस्थित रहना पड़ा हो तो 21 दिन के विशेष अवकाश के बाद उसके खाते में दर्ज छुट्टियां समायोजित की जाएंगी। कंटेनमेंट जोन के मामले में विशेष अवकाश उस अवधि तक के लिए स्वीकृत होगा जब तक वहां आवागमन पर रोक लागू रही हो। यदि कोई कर्मचारी दो बार कोरोना संक्रमित हुआ है तो उसे दो बार विशेष अवकाश का लाभ दिया जाएगा।

आयुष अस्पतालों में जल्द भरे जाएंगे डाक्टरों के खाली पद

आयुष अस्पतालों में डाक्टरों व कर्मियों के खाली पदों को जल्द भरने के निर्देश मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्रा दयालु ने दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए और इंफास्ट्रक्चर का बेहतर इस्तेमाल कर मरीजों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं देने पर जोर दिया जाए। योजना भवन में उन्होंने आयुष विभाग और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने संकल्प पत्र के अनुसार 100 दिन की कार्य योजना पर रणनीति बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। अस्पतालों की बिल्डिंग की जरूरत के अनुसार मरम्मत कराई जाए। हर प्रोजेक्ट की समय-सीमा निर्धारित की जाए। आयुष की दवाओं के निर्माण की प्रक्रिया को और बेहतर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि नए अनुसंधान पर जोर दिया जाए। उन्होंने कहा कि आयुष काढ़ा कोरोना की रोकथाम में मददगार साबित हुआ है। लोगों को बीमारियों से बचाने के लिए लगातार नव प्रयोगों पर जोर देना होगा। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं को हर हाल में तय समय पर पूरा किया जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव, आयुष प्रशांत त्रिवेदी भी मौजूद रहे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

विकास की रफ्तार बनाम जर्जर सड़कें

विकास के तमाम दावों के बीच प्रदेश की अधिकांश सड़कों की हालत खस्ता है। पिछले पांच वर्षों में यूपी की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के वादे हकीकत में कहीं नहीं दिखे। आदेश कागजों में सिमट चुके हैं। गड्ढों के कारण सड़क हादसों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। इससे लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है लेकिन सरकार इसे लेकर गंभीर होती नहीं दिख रही है। सवाल यह है कि तमाम कवायदों के बावजूद प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त क्यों नहीं किया जा सका? मानकों को दरकिनार कर सड़कों का निर्माण क्यों किया जा रहा है? सड़कों के निर्माण और पुनर्निर्माण के लिए जारी होने वाला भारी भरकम बजट कहां खर्च हो रहा है? क्या खस्ता हाल सड़कें निवेशकों को प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित कर पाएंगी? क्या सरकार खुद को केवल टैक्स लेने तक सीमित कर चुकी है? सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी दरकिनार क्यों किया जा रहा है? क्या ऐसे ही प्रदेश को देश की नंबर वन अर्थव्यवस्था बनाया जा सकेगा? क्या पूरा तंत्र ही भ्रष्टचार की भेंट चढ़ चुका है?

पांच साल पहले सरकार ने जनता से वादा किया था कि प्रदेश की सड़कें गड्ढा मुक्त कर दी जाएंगी। शुरुआत में कुछ काम होता दिखा लेकिन समय बीतने के साथ हालात बदतर होते चले गए। मसलन, प्रदेश की राजधानी लखनऊ की अधिकांश सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे बने हैं। शहर के पॉश इलाकों की सड़कें तक खस्ता हाल हैं। कुछ सड़कों पर पैचवर्क किया गया है लेकिन ये हादसों को न्योता दे रहे हैं। स्पीड ब्रेकर से लेकर सड़क निर्माण तक में मानकों को नजरअंदाज किया जा रहा है। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि पहली ही बारिश में सड़क उखड़ जाती है। जब राजधानी में यह हाल है तो अन्य शहरों की सड़कों का आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। यह स्थिति तब है जब सुप्रीम कोर्ट गड्ढों के कारण होने वाली दुर्घटना और लोगों की मौत को लेकर न केवल चिंता जता चुका है बल्कि इनको दुरुस्त करने का आदेश भी राज्य सरकारों को दे चुका है। खस्ता हाल सड़कें न केवल लोगों के आवागमन को बाधित करती हैं बल्कि प्रदेश के विकास की रफ्तार को भी कम कर देती हैं। बेहतर आवागमन के साधन नहीं होने से बड़े पूंजीपति निवेश से बचते हैं। इसका सीधा असर प्रदेश में उद्योग-धंधों के विकास और रोजगार के नए साधनों के सृजन पर पड़ता है। सरकार को चाहिए कि एक ओर वह हादसों में होने वाली जन-धन की हानि रोकने के लिए सड़कों को दुरुस्त कराए वहीं दूसरी ओर निवेशकों को बेहतर आवागमन के साधन उपलब्ध कराए। साथ ही फैले भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाए अन्यथा इसका प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ना तय है।

सवाल यह है कि तमाम कवायदों के बावजूद प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त क्यों नहीं किया जा सका? मानकों को दरकिनार कर सड़कों का निर्माण क्यों किया जा रहा है? सड़कों के निर्माण और पुनर्निर्माण के लिए जारी होने वाला भारी भरकम बजट कहां खर्च हो रहा है? क्या खस्ता हाल सड़कें निवेशकों को प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित कर पाएंगी?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

क्षेत्रीय सहयोग पर जोर

धनंजय त्रिपाठी

पिछले कुछ समय से विशेषकर पहले मधेश ब्लॉकेड और फिर सीमा विवाद के बाद भारत और नेपाल के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो गया था। इस पृष्ठभूमि में नेपाल की घरेलू राजनीति में भारत-विरोधी तत्वों को भी मजबूती मिली है। ऐसे में प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की भारत यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है। एक बड़े अंतराल के बाद दोनों देशों के बीच कोई शीर्ष स्तरीय यात्रा हुई है। दूसरा दीपावली से भारत में नेपाल का कूटनीतिक प्रतिनिधि नहीं था, उसकी भी नियुक्ति हुई। प्रधानमंत्री देउबा और पीएम नरेंद्र मोदी की बैठक के दौरान अनेक समझौतों पर भी सहमति बनी, जिसमें दोनों देशों के बीच रेलमार्ग की स्थापना प्रमुख है। इस मार्ग से भारत के कुछ उत्तरी क्षेत्र नेपाल के मधेश इलाकों से सीधे जुड़ जायेंगे। इसके अलावा ऊर्जा, तकनीक, सड़क आदि क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ेगा।

नेपाली प्रधानमंत्री के भारत दौरे का द्विपक्षीय महत्व तो निश्चित रूप से है पर इसको वर्तमान क्षेत्रीय परिदृश्य में भी देखा जाना चाहिए। बीते कुछ समय से दक्षिण एशिया में भारत की सक्रियता बहुत बढ़ी है। कुछ दिन पहले ही बिम्स्टेक शिखर बैठक श्रीलंका में आयोजित हुई, जिसमें भारत की अग्रणी भूमिका रही। इससे पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव और श्रीलंका की यात्रा की थी। बिम्स्टेक सम्मेलन के दौरान वे कोलंबो में उपस्थित रहे। उस शिखर सम्मेलन में आवागमन के माध्यमों का विस्तार कर क्षेत्रीय जुड़ाव को बढ़ावा देना सदस्य देशों की प्राथमिकता रही। कोविड महामारी से निबटने में भी भारत ने पड़ोसी देशों की मदद की और दवाओं, मेडिकल साजो-सामान व कोरोना टीकों को मुहैया कराया गया। अफगानिस्तान में तालिबान शासन को लेकर राजनीतिक चिंताओं के बावजूद भारत द्वारा भारी संकट का सामना कर रहे अफगान लोगों के लिए मानवीय मदद के रूप में 50 हजार टन गेहूं, कई टन आवश्यक मेडिकल वस्तुएं व दवाएं भेजने का सिलसिला जारी है। इन प्रयासों से साफ है कि भारत इस पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र से गहरे जुड़ाव की प्रक्रिया में है। इस संदर्भ में हमें बदलते वैश्विक परिदृश्य, खासकर रूस-यूक्रेन संकट के बाद, का भी संज्ञान लेना चाहिए। इस स्थिति में भारतीय रणनीतिक समुदाय में यह

सहमति भी बन रही है कि भविष्य में भारत को एक आत्मनिर्भर शक्ति के रूप में स्थापित होना पड़ेगा और अपने आस-पड़ोस में एक सकारात्मक राजनीतिक वातावरण रखना पड़ेगा। इस लिहाज से 'पड़ोसी पहले' की नीति और पड़ोसी देश बहुत प्रासंगिक रहेंगे। दक्षिण एशिया हो या दक्षिण-पूर्व एशिया, भारत की इन क्षेत्रों से निकटता होते हुए भी आवागमन की व्यवस्था अत्यंत न्यून है। यह स्थिति भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं की राह में एक बड़ी बाधा है। इसे बेहतर करने की बात भारत में लंबे समय से चल रही थी और इस दिशा में कुछ प्रयास भी हुए थे। हाल की कोशिशों से इस मामले में अच्छे नतीजों की उम्मीद की जा सकती है। यह भी उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में चीन की सक्रियता और वर्चस्व बढ़ने से कहा जाने लगा था कि इस क्षेत्र में चीन महत्वपूर्ण बना रहेगा लेकिन हाल की घटनाओं, श्रीलंका का आर्थिक संकट, अफगानिस्तान से अमेरिका का जाना आदि से स्थिति बदली है। अब इस क्षेत्र के देशों को यह भी लगने लगा है कि इस क्षेत्र में भारत की एक प्रासंगिक भूमिका है और चीन के ऊपर पूरी तरह से निर्भर नहीं रहा जा सकता है तथा भारत व चीन के साथ एक संतुलित संबंध बनाने की आवश्यकता है। भारत की दक्षिण एशिया नीति की एक आलोचना यह रही है कि इसका मुख्य ध्यान द्विपक्षीय संबंधों पर रहा है और क्षेत्रीयता के पहलू का अभाव रहा है। अब यह स्पष्ट दिख रहा है कि इस नीतिगत सोच व सक्रियता में बदलाव आ रहा है तथा भारत अपने संबंधों को समूचे क्षेत्र के आधार पर परिभाषित करने की दिशा में गतिशील है। श्रीलंकाई सरकार का स्पष्ट झुकाव चीन की ओर रहा है, पर भारत ने अपनी ओर से इस द्वीपीय देश को मदद देने में कोई कमी नहीं की है। नेपाल में एक बड़ी बहस के बाद यह निष्कर्ष सामने आया है कि नेपाल को अपनी विकास आवश्यकताओं के लिए केवल चीन की ओर ही नहीं देखना चाहिए। क्षेत्रीय आयाम पर संबंधों को आधारित करना एक स्वागतयोग्य बदलाव है अगर यह बदलाव सही दिशा में जारी रहता है, तो इसके अच्छे परिणाम होंगे। हालांकि बड़े देशों को लेकर छोटे देशों की जो चिंता है, वह आधारहीन नहीं है इसलिए वे चीन और भारत के बीच संतुलन चाहते रहे हैं। पहले भारत में इसे नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता था पर अब यह समझ यहां भी बनी है कि चीन की मौजूदगी भी दक्षिण एशिया में और आसपास बनी रहेगी सो इसके अनुसार ही कदम उठाये जाने चाहिए। वर्तमान समय में हम पाकिस्तान से संबंध सामान्य होने की आशा तो नहीं कर सकते हैं। क्षेत्रीय सहयोग और सहकार बढ़ने से सभी देशों को लाभ होगा और भारत के आर्थिक विकास को भी इससे बड़ा बल मिलेगा।

निजी अस्पतालों के रवैये पर कार्रवाई

जगदीश रत्नानी

सात साल पहले एक उपभोक्ता ने भारत के प्रतिस्पर्धा आयोग में दिल्ली के मैक्स अस्पताल के विरुद्ध एक शिकायत दर्ज करायी थी। उन्होंने पाया था कि इस अस्पताल के दवाखाने से बेची गयी सिरिंज की कीमत बाहर की दुकानों की तुलना में लगभग दो गुनी है। उस उपभोक्ता ने अपनी शिकायत में सिरिंज बनानेवाली कंपनी बेक्टॉन डिकिंसन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और अस्पताल के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया था। नवंबर, 2015 में प्रतिस्पर्धा आयोग की छह सदस्यीय खंडपीठ ने शिकायत की गंभीरता को देखते हुए महानिदेशक को इसकी जांच का आदेश दिया था। वहां से एक लंबी यात्रा शुरू हुई थी जो महामारी के बाद के दौर में फिर सुर्खियों में है। खबरों के अनुसार, आयोग ने देश के तीन बड़े अस्पताल समूहों से पूछा है कि वे अपने मरीजों के लिए इस्तेमाल होनेवाली दवाओं और अन्य चीजों के दाम कैसे तय करते हैं?

एक स्तर पर यह एक बेहद धीमी सुनवाई का मामला दिखता है, जिसमें पहले कार्रवाई कर अस्पतालों द्वारा कई तरह से हो रहे दोहन से आम लोगों को महामारी के दौरान बचाया जा सकता था। सोचिए, केवल पीपीई किट के लिए मरीज से कितना वसूला जाता था, डॉक्टरों आदि के इस्तेमाल होनेवाली चीजों को छोड़ भी दें, जिनका भारी भुगतान भी मरीज को करना होता था। 2018 में एक अन्य जांच रिपोर्ट में राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने रेखांकित किया था कि 'एक विफल बाजार व्यवस्था में अनैतिक मुनाफाखोरी' चल रही है, जहां अस्पतालों द्वारा कुछ चीजों को एक हजार फीसदी से भी ज्यादा मुनाफे पर बेचा जा रहा है। अथॉरिटी ने ऐसे ही यह आंकड़ा नहीं बताया था बल्कि उसकी रिपोर्ट में ऐसी चीजों की सूची थी, जिन्हें मनमाने दाम पर मरीजों को जबरन बेचा गया था। कुछ चीजों, जैसे आरएमएस इंफ्यूजन सेट 2112 फीसदी और डिस्पोजेबल सीरिंज 1596 फीसदी के मार्जिन पर बेचा गया था। यह दिन-दहाड़े होनेवाली डकैती है, जिसे अंजाम देकर भी लंबे समय से अस्पताल सजा से बचते आये हैं। यह रिपोर्ट एक सरकारी संस्था ने ठोस जांच के आधार पर दी थी और उसके बाद फिर हम ऐसी महामारी की चपेट में आ गये, जिससे हुई मौतों का आधिकारिक आंकड़ा पांच लाख से अधिक है। भले ही आयोग की कार्रवाई धीमी गति से चल रही है, पर इस संस्था की प्रशंसा की जानी चाहिए कि वह जांच के दायरे में अनेक अस्पतालों को लाया है। उसने पाया कि सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में मुनाफाखोरी गहरे तक बसी हुई है। उदाहरण के लिए, आयोग ने पाया है कि दिल्ली के पटपड़गंज में स्थित एक अस्पताल ने सिरिंजों को बेच कर 2014-15 में 269.84 से 527 फीसदी तक तथा 2015-16 में 276.96 से 527 फीसदी तक मुनाफा कमाया है। ये आंकड़े बेहद चौंकानेवाले हैं और इसके साथ यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि भर्ती मरीजों को अस्पताल के दवाखाने से चीजें खरीदने के लिए मजबूर किया गया जैसा कि अगस्त, 2018 में दिये गये आयोग के आदेश में उल्लिखित है।

जब बड़े अस्पताल शोषणकारी व्यवहार में लिप्त होंगे तो इसका एक नुकसान है कि सभी निजी अस्पतालों की छवि खराब होती है। जो कुछ अच्छे अस्पताल हैं, उन्हें भी जनमानस में बहुत सारे खराब अस्पतालों के साथ देखा जाने लगेगा। इससे निजी बनाम सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली की बेमतलब बहस को हवा मिलेगी। हालांकि यह मामला कुछ अस्पतालों से संबंधित दिख रहा है और कारण बताओ नोटिस देने का मतलब यह नहीं है कि दोष भी साबित हो गया है, पर सच यह है कि छोटे-बड़े अस्पताल एक ऐसी संस्कृति का हिस्सा हो चुके हैं, जहां ऐसे संस्थानों में डॉक्टर रुपया छापने की मशीन हो चुके हैं, जो कमाई का लक्ष्य निर्धारित करने में नहीं हिचकते। यह रवैया सामान्य हो चुका है और अब इसे कठोर कार्रवाई से खत्म किया जाना चाहिए। यह कार्रवाई केवल प्रतिस्पर्धा आयोग को ही नहीं करनी है, बल्कि इसमें अनेक एजेंसियों को एक साथ लगाया जाना चाहिए। मौजूदा व्यवहार भारत के चिकित्सा तंत्र को पतन की ओर धकेल रहे हैं और इनमें पेशेवर विशिष्टता की अपेक्षा अधिक से अधिक मरीज देखने, सर्जरी करने और पैसा वसूलने पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। अब सक्रिय रूप से कदाचार बस एक कदम ही दूर है। एक ओर इसका नतीजा निश्चित रूप से भारी खर्च के रूप में होगा, जिसे भारत वहन नहीं कर सकेगा। दूसरी ओर इससे सेवा की गुणवत्ता में लगातार गिरावट आती जायेगी। ऐसी व्यवस्था में अच्छे डॉक्टर बेहतर नहीं कर सकेंगे क्योंकि बड़ी कमाई कर रहे डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधक उनसे आगे निकल जायेंगे। इसका यह भी अर्थ है कि हमारे बेहतरीन डॉक्टरों को आवाज और नीतिगत समर्थन चाहिए, ताकि वे वार्डों और ऑपरेशन थिएटरों में खराब रवैये को रोक सकें। इसके अलावा, दवाओं और मेडिकल से संबंधित चीजों के निर्माताओं और अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं की भी प्रक्रिया पर नजर रहेगी। हाल में स्टेंट के दामों को लेकर अंतरराष्ट्रीय निर्माताओं ने खूब लड़ाई लड़ी लेकिन सरकार ने कार्रवाई की और उन्हें दाम घटाने पर मजबूर किया। सरकार ने उस मामले में कार्रवाई कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की और एक कड़ा संदेश भी दिया कि भारत अपने नागरिकों को शोषित नहीं होने देगा।

रमजान : डायबिटिक रहें सतर्क, इनका करें सेवन

मुस्लिम समुदाय का पवित्र महीना रमजान शुरू हो गया है। रमजान के साथ हिन्दुओं का पर्व चैत्र नवरात्रि भी शुरू हो गया है। दोनों पर्व उपवास से जुड़े हैं। ऐसे में सवाल पैदा होता है कि क्या डायबिटीज के मरीजों को रोजा या उपवास रखना चाहिए? यह एक या दो दिन की तो बात नहीं, नवरात्रि में जहां नौ दिनों का उपवास होता है, वहीं रमजान में पूरे तीस दिनों तक रोजे रखने होते हैं। जाहिर है उपवास में पूरे दिन कुछ नहीं खाने-पीने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है।,एक्सपर्ट्स मानते हैं लंबे समय तक उपवास रखने से डायबिटीज के मरीजों का ब्लड शुगर बिगड़ने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसके लिए उन्हें अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए और उपवास और खाने-पीने से जुड़ी सावधानियों को ध्यान में रखना चाहिए। हालांकि एक्सपर्ट्स डायबिटीज के मरीजों को उपवास न रखने की सलाह देते हैं। फैट टू स्लिम की डायरेक्टर और डाइटीशियन शिखा अग्रवाल शर्मा के अनुसार टाइप एक डायबिटीज वाले लोगों को अपना इंसुलिन लेना बंद नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे डायबिटिक कीटोएसिडोसिस नामक समस्या का खतरा हो सकता है।

इफ्तार में क्या खाएं?

रोजा खोलने के समय यानी इफ्तार के दौरान आपको कुछ पोषण से भरपूर चीजों का सेवन करना चाहिए। इसकी शुरुआत आप दो खजूर खाकर कर सकते हैं। आपको कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले कार्बोहाइड्रेट जैसे ब्राउन राइस, फुल ग्रेन ब्रेड और सब्जियां सफेद चावल, नॉन-फुल ग्रेन ब्रेड या आलू जैसी चीजों का सेवन करना चाहिए।

प्रोटीन वाली चीजों का करें सेवन

प्रोटीन ऊर्जा का एक अच्छा स्रोत है और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में अधिक धीरे-धीरे अवशोषित होता है। आप प्रोटीन से भरपूर चीजों का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा ड्राई फ्रूट्स, ऑयली फिश, एवोकाडो, ओलिव ऑयल ले सकते हैं क्योंकि येन एनर्जी का बि?या स्रोत हैं और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करते हैं।

दूध बेहतर विकल्प

आप मछली, टोफू और नट्स जैसे दुबले प्रोटीन का सेवन करें क्योंकि ये ऊर्जा देने वाले होते हैं। आप लो-फैट दूध, सादा ग्रीक योगर्ट, पनीर ले सकते हैं। सोने से पहले एक गिलास दूध या कुछ फल ले सकते हैं, जो शुगर लेवल को बनाए रखेंगे।

फाइबर भी है जरूरी

फाइबर की मात्रा बढ़ाने के लिए भोजन में सलाद शामिल करें। अधिक पानी की मात्रा वाले ताजे फल और सब्जियां शामिल करें। चूंकि मिठाइयां हर त्योहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि आप इनका सेवन कम मात्रा में करें।

सहरी में करें भरपेट भोजन

आपको अगले दिन का रोजा शुरू करने से पहले यानी सहरी में भरपेट भोजन करना चाहिए और पानी पीना चाहिए। इस दौरान आप हाई फाइबर और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थ खाएं। ऐसे खाद्य पदार्थ पेट में लंबे समय तक रहते हैं और भूख को कम करते हैं। यह आपको भरा हुआ महसूस करने में मदद करेगा। आप साबुत अनाज जैसे गेहूं, टूटा हुआ गेहूं, जई, जौ, किनोआ और ब्राउन राइस के साथ चना मटर, राजमा, लीमा बीन्स, ब्लैक-आइड बीन्स आदि ले सकते हैं।

शाम को सादा पानी या नींबू पानी पिएं

शाम को इफ्तारी के समय खूब सारा पानी और शुगर-फ्री पेय पदार्थ पिएं और कैफीन युक्त पेय पदार्थों से बचें जो प्यास को बढ़ाते हैं।

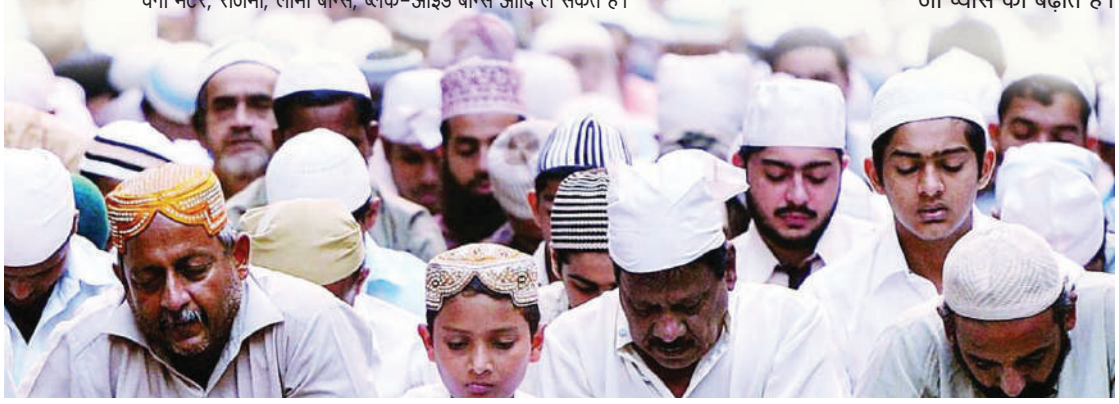

कहानी — होशियार तोता

जंगल में एक तोता रहता था। वह बहुत सुन्दर था। उसकी चोच और पंख बहुत ज्यादा सुन्दर थे। उस तोते के साथ उसका छोटा भाई भी रहता था। वह दोनों जंगल में खुशी खुशी रहते थे। एक दिन एक शिकारी जंगल में आया। उसने तोते की इस जोड़ी को देखा और सोचा, यह तोते बहुत सुन्दर और खास है। मैं इन तोतो को राजा को भेट करूंगा। उस शिकारी ने जंगल में अपना जाल बिछाया ताकि वह दोनों को पकड़ सके। जल्द ही तोते उस शिकारी की जाल में फस गए। उसने तोतो को अपने पिंजरे में रखा और अपने घर चला गया। उस शिकारी ने राजा से कहा, ओह राजा! देखिये तोतो की इस सुन्दर जोड़ी को। मैंने इन्हें घने जंगल से पकड़ा है। इनकी सुन्दरता देखकर सोचा की मै इन्हें आपको भेट स्वरुप दू। यह आपके महल की खूबसूरती में चार चाँद लगा देंगा। यह सुनकर राजा बहुत खुश हुआ। उसने शिकारी को हजार सिक्के इनाम में दिए। उस राजा ने दोनों तोतो को सोने के पिंजरे में रखा और आपने सेवको को उनकी देखभाल करने का आदेश दिया। तोतो की बहोत अच्छे से देखभाल की जाती थी। उन्हें महल में बहुत महत्वपूर्ण पक्षियों की तरह रखा गया। उन्हें खाने में फल और स्वादिस्ट खाना दिया जाता था। सबकी नजर महल के तोतो पर रहती थी। तोते बहुत खुश थे। उन्हें सब कुछ बिना मेहनत से मिल रहा था। बड़े तोते ने अपने भाई से कहा, 'हमें इस राजमहल में काफी इज्जत मिली है। इसलिए में पूरी तरह संतुष्ट हूं। छोटे भाई ने जवाब दिया , 'तुम सही कह रहे हो। हमें एकदम राजसी सेवा मिल रही है। यह हमारी किस्मत है।'एक दिन शिकारी कला बन्दर लेकर आया और उसने उसका नाम काला बहु रखा। वह बन्दर राजा को भेंट किया गया। रजा ने आपने सेवको को बंदर को आंगन में रखने के लिए कहा। रजा और उनका बेटा यानी छोटा राजकुमार बंदर की हरकतें देखकर बहुत खुश और हेरान हुआ करते थे। जल्द ही बंदर ने सभी को आपनी और आकर्षित कर लिया था। बंदर से आने से तोतो पर अब कोई ध्यान नहीं देता था। कभी कभी तो उन्हें खाना भी कोई देता ही नहीं था। यानी उन पर किसी का ध्यान ही नहीं था। दोनों तोतों को इसका कारण पता था। बड़ा तोता होशियार था और उसे उम्मीद थी की जल्दी उनके दिन बदलेंगे इसलिए इन्हें उदास नहीं होना चाहिए। उसने आपने भाई को सांत्वना दी कि इस दुनिया में कोई चीज हमेशा के लिए नहीं होती। जब तक हमारे अच्छे दिन नहीं आते, तब तक धीरज रखो।' एक दिन बंदर राजकुमार के आगे कुछ पेश कर रहा था और उससे राजकुमार डर गया और वो चिल्लाया, 'मेरी मदद करो, 'मेरी मदद करो।'राजकुमार की आवाज सुनकर सभी उसके पास आ गए और वहा से राजकुमार को ले गए। जब राजा को इसका पता चला तो उसने अपने सेवको को आदेश दिया की वह बंदर को जंगल में छोड़ आये। तुरंत ही सैनिको बंदर को पकड़कर जंगल में छोड़ आये। अब तोतो के बुरे दिन खत्म हो गए थे। उनकी फिर से खातिरदारी होने लगी। उनके लिए अच्छे और स्वादिस्ट पकवान बनाये जाते थे। वह फिर से सभी के आँख के तारे बन गए। होशियार तोते ने आपने भाई को समझाया कि समय हंमेशा एक जैसा नही रहता इसलिए अगर हमारे साथ कुछ समय के लिए कुछ गलत हो रहा है तो उससे हमें घबराना नहीं चाहिए।

सीख:- इस दुनिया में कोई भी चीज एक जैसी नहीं रहती इसलिए हर किसी को हर काम में धीरज रखना चाहिए।

10 अंतर खोजें

हंसना मना है

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है।
पति गुस्से से: तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके: अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए!

माँ: बेटा क्या कर रहे हो? बेटा: पढ़ रहा हूं मां..
माँ: शाबाश! क्या पढ़ रहे हो? बेटा: आपकी होने वाली बहु के SMS। दे थप्पड़, दे थप्पड़!

टीचर: मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य: उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य: उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू : पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है। और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

उसने मुझसे पूछा चाहोंगे मुझे कब तक, मैंने भी मुस्कुरा के कह दिया। मेरी बीवी.. को न पता चले तब तक।

मोनू: टीटू जल्दी उठ, भूकंप आ रहा है, पूरा घर हिल रहा है। टीटू: ओए, चुपचाप जाके सो जा, घर गिरेगा तो हमारा क्या जाएगा, हम तो किरायेदार हैं।

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज पति-पत्नी के बीच तालमेल बना रहेगा। सिंगल लोगों को आज पार्टनर मिल सकता है। अविवाहित लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है। रिलेशनशिप लंबे समय तक चलेगी।

वृषभ

पति-पत्नी बाहर घूमने जा सकते हैं। सिंगल लोगों के लिए आज का दिन खास रहेगा। पुराने प्रेमी से मुलाकात हो सकती है। आज के दिन खुद पर सयंम बरतें। पार्टनर के साथ मौज-मस्ती करेंगे।

मिथुन

आज का दिन प्रेमी के लिए अनुकूल है। जो लोग किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं वो प्रपोज कर सकते हैं। आपकी किसी बात से पार्टनर परेशान हो सकता है।

कर्क

पति-पत्नी के बीच प्यार बना रहेगा। आज के दिन पार्टनर की कमी महसूस करेंगे। आज के दिन आपकी लव लाइफ में मुश्किलें आ सकती है। इससे मानसिक तनाव हो सकता है।

सिंह

पार्टनर से मुलाकात हो सकती है। सिंगल लोग बाहर घूमने जाएंगे। किसी से आपकी मुलाकात हो सकती है और वह आपका जीवनसाथी बन सकता है। पति-पत्नी के बीच तालमेल बना रहेगा।

कन्या

आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप ज्यादा समय तक नहीं चलेगी। पति-पत्नी के बीच विवाद हो सकता है। पार्टनर के साथ हुए झगड़े से आज बोझिल महसूस करेंगे।

तुला

आज सिंगल लोगों को शादी को प्रपोजल मिल सकता है। पति-पत्नी बाहर शॉपिंग के लिए जा सकते हैं। धन खर्च हो सकता है। आज प्रेमी की तरफ से आपको भरपूर प्यार मिलेगा।

वृश्चिक

आज पार्टनर से मुलाकात होगी लेकिन बाहर घूमने का प्लान नहीं बन पाएगा। अगर किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं तो आज का दिन अनुकूल है। पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव हो सकता है।

धनु

प्रेम संबंध शुरू करने के लिए आज का दिन ठीक होगा। आज आपको जीवनसाथी मिल सकता है। लव लाइफ में किसी तरह का डर नहीं रहेगा। भावनाओं में उतार-च?ाव आ सकते हैं।

मकर

प्रेमी के साथ बाहर घूमने जाएंगे। आज के दिन रोमांस से भरपूर रहेगा। यदि अपने पार्टनर को घर वालों से मिलाना चाहते हैं तो आज का दिन उचित होगा। पार्टनर से सुख मिल सकता है।

कुम्भ

पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे। आज पार्टनर की कोई बात बुरी लग सकती है। प्रेम संबंधों का बनाए रखने के लिए कुछ बातें इग्नोर करनी पड़ेगी। एक्स्ट्रा अफेयर शुरू होने की संभावना है।

मीन

पति-पत्नी के बीच प्रेम रहेगा। सिंगल लोगों को शादी के प्रपोजल मिल सकते हैं। पार्टनर से सुख मिलेगा। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप सफल होगी। आज के दिन दोस्ती रिश्ते में बदल सकती है।

इसी महीने एक दूसरे के हो जायेंगे आलिया-रणबीर

बॉलीवुड | मसाला

एक्ट्रेस आलिया भट्ट और अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों बॉलीवुड गलियारों में अपनी शादी की खबरों को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। दोनों की शादी की खबरें जोरो पर हैं। ये जोड़ी काफी वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रही है। अब फैंस दोनों की शादी का इंतजार कर रहे हैं। पिछले कई दिनों से खबरें थी कि आलिया-रणबीर इसी साल अप्रैल के महीने में सात फेरे ले सकते हैं। इसी बीच दोनों की शादी को एक बड़ा अपडेट सामने आया है। खबर है कि बहुत जल्द ही आलिया-रणबीर एक-दूसरे के हो जाएंगे। हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों की शादी के फंक्शन 13 अप्रैल से 17 अप्रैल के बीच में होंगे।13 अप्रैल से 16 अप्रैल तक दोनों के परिवारों में संगीत और मेहंदी सेरेमनी होगी। कहा जा रहा है कि 17 अप्रैल को दोनों शादी के बंधन में बंध जाएंगे। इस खबर के सामने आते ही फैंस की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रह गया है। खबरें यह भी है कि आलिया अपनी शादी के दौरान मनीष मल्होत्रा और सब्यसाची के आउटफिट में नजर आएंगी।

हालांकि अभी तक दोनों में से किसी ने भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। खैर, अगर अब दोनों की शादी को लेकर कोई भी खबर सामने आती है तो हमें कोई आश्चर्य नहीं होगा, क्योंकि दोनों की शादी को लेकर काफी बज बना हुआ है। रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों जोधपुर में शादी करने की योजना बना रहे हैं। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले नीतू कपूर को मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के स्टोर पर देखा गया था। मनीष को भी उनके घर पर स्पॉट किया गया है।

रणवीर सिंह ने जयेशभाई जोरदार की रिलीज से पहले किया दावा

फिल्म ने नहीं रूलाया तो पैसा वापस

बॉलीवुड | तड़का

रणवीर सिंह अपने अलग अंदाज के लिए चर्चा में रहते हैं। अक्सर उनके अतरंगी अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। इसी बीच उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो अपनी आने वाली फिल्म के बारे में मीडिया से बात करते हुए दिख रहे हैं। दरअसल रणवीर सिंह मंगलवार की रात फेमिना ब्यूटीफुल इंडियंस 2022 के कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। इस दौरान वो ब्लैक कलर के टक्सीडो सूट में बेहद चार्मिंग दिख रहे थे। ईटाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार रणवीर सिंह ने मीडिया से बात चीते के दौरान अपनी आगामी फिल्म जयेशभाई जोरदार को लेकर कहा, ये ऐसी फिल्म है, रूलाएगी नहीं तो पैसा वापस। वहीं, इस अवार्ड शो के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें वो धमाकेदार एंट्री करते हुए दिख रहे हैं और फैंस भी उनका काफी गर्म जोशी के साथ स्वागत करते हुए दिख रहे हैं। बता दें, जयेशभाई जोरदार में रणवीर सिंह एक गुजराती व्यक्ति का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे, जो समाज की पितृसत्तात्मक सोच और कुर्तियों का पुरजोर विरोध करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ शालिनी पांडेय मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। फिल्म में रणवीर सिंह, शालिनी पांडेय के अलावा बोमन ईरानी और रत्न पाठक शाह भी अहम किरदार में दिखाई देंगी। दिव्यांग टक्कर के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। ये फिल्म 13 मई, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बात अगर रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इस साल बैक-टू-बैक कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं, जिसमें सर्कस, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, अन्नियन का रीमेक जैसी कई बड़े बजट की फिल्में शामिल है। रणवीर सिंह को आखिरी बार हाल ही में रिलीज हुई करीब खान की फिल्म 83 में देखा गया था। ये फिल्म साल 1983 में क्रिकेट विश्वकप में भारतीय क्रिकेट टीम की यात्रा पर आधारित है। इसके अलावा रणवीर की दो और फिल्में बन रही है, जो अगले साल ही फ्लोर पर आएंगी। हालांकि रणवीर ने अभी इन फिल्मों का खुलासा नहीं किया है।

बॉलीवुड | मन की बात

बचपन से ही शानदार एक्टर बनना चाहते थे केजीएफ 2 के 'रॉकी भाई'

साउथ सिनेमा के मशहूर अभिनेता यश इन दिनों अपनी बहुचर्चित फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी यह फिल्म साल 2018 में आई केजीएफ का दूसरा भाग है। फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 को लेकर यश के फैंस और दर्शक काफी एक्साइटेड हैं। इस बीच अभिनेता यश ने खुद के एक कलाकार बनने के सफर पर खास खुलासा किया है। यश इन दिनों फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 का जोर-शोर से प्रमोशन कर रहे हैं। ऐसे में उन्होंने अंग्रेजी वेबसाइट इंडिया टुडे से बातचीत की। इस दौरान यश ने अपने फिल्मी करियर के साथ संघर्ष के दिनों को याद किया और खास खुलासे भी किए हैं। यश ने बताया है कि उन्हें बचपन से लोगों का ध्यान अपनी खींचने की आदत है। ऐसे में स्कूल में टीचर से लेकर सभी दोस्त उन्हें हीरो बुलाते थे। अपने बचपन और संघर्ष के दिनों को याद करते हुए यश ने कहा, मेरे पास एक्टिंग के अलावा कोई दूसरा करियर प्लान नहीं था। मैं हमेशा से एक शानदार एक्टर बनना चाहता था। यह एक्टिंग के बारे में भी नहीं है। मुझे कभी एहसास नहीं हुआ कि यह कितना मुश्किल है। बहुत कम उम्र में मेरे टीचर मुझे हीरो कहकर बुलाने लगे थे। वह ऐसा इसलिए कहते थे क्योंकि मैं थोड़ी-बहुत एक्टिंग कर लेता था। और वह मुझे यह कहकर चिढ़ाते थे कि किधर है फिल्म, आई नहीं। क्लास में जब टीचर सबसे पूछते थे कि आप बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं, तो मैं कहता था कि मैं एक सुपरस्टार बनूंगा। बहुत से स्टूडेंट्स ने कहा कि वह अंतरिक्ष यात्री और बाकि सब बनना चाहते हैं और मैं हीरो बनने के लिए कहता था। तो सब हंस पड़ते थे।

जब अचानक जहाज में हो गया विस्फोट, नीचे गिर गया था बच्चा

वर्तमान समय में हवाई सफर करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अब हवाई सफर करना लोगों की पहली पसंद बनती जा रही है, क्योंकि कम समय में एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचा जा सकता है। लेकिन अगर कभी आसमान में कोई हवाई जहाज किसी हादसे का शिकार होता है, तो इंसान के बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए उड़ाने भरने से पहले जहाज की सुरक्षा की जांच अच्छे से की जाती है ताकि सफर के दौरान कोई समस्या न हो। तमाम सुरक्षा जांचों के बावजूद साल 1986 में एक ऐसा जहाज हादसा हुआ था जिसके बारे में जानकर रोंगटे खड़े हो जाएंगे। 11 हजार फीट की ऊंचाई पर आसमान में अचानक जहाज के अंदर विस्फोट हो गया था जिसमें प्लेन के बीच का हिस्सा उड़ गया। इस हादसे के बाद जहाज में बैठे चार यात्री नीचे गिर गए थे जिनमें एक आठ महीने का बच्चा भी शामिल था। गोद में बैठा बच्चा अपनी मां के साथ प्लने से नीचे गिरा गया था। गनीमत यह रही है कि प्लेन क्रैश होने से बच गया। हादसे का शिकार होने वाला जहाज TWA फ्लाइट 840 उस समय ग्रीस के ऊपर से जा रहा था। अचानक विस्फोट के बाद जहाज में तीन फीट का छेद हो गया था। इस हादसे में चार लोग छेद से नीचे गिर गए थे। हादसे में मारे गए लोगों का शव एथेंस में हादसे से लगभग 87 मील की दूरी पर बरामद किया गया था। मृतकों में एक ही परिवार के तीन लोग थे। रिपोर्ट के मुताबिक एक दादी, पोती और पोती की बेटी मरने वालों में शामिल थी। एक और शख्स विस्फोट से जहाज में हुए छेद से नीचे गिर गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जहाज में बैठे एक शख्स ने बताया है कि उसने अपने बगल में बैठे व्यक्ति को देखा तो नहीं था। उसने बताया कि उसने महसूस किया कि हवा का प्रेशर उसे नीचे खींच रहा है, तो उसने अपनी पत्नी की बेल्ट को पकड़ लिया था। इस खतरनाक हादसे में चार लोगों की मौत हुई थी और बाकी अन्य 118 यात्रियों और क्रू मेंबर की जान बच गई थी। जहाज के कप्तान की सूझबूझ से बाकी यात्रियों की जान बची थी।

अजब-गजब | आखिर क्या है इस नदी के पीछे का रहस्य

इस सोने की खदान के बीच खून की नदी!

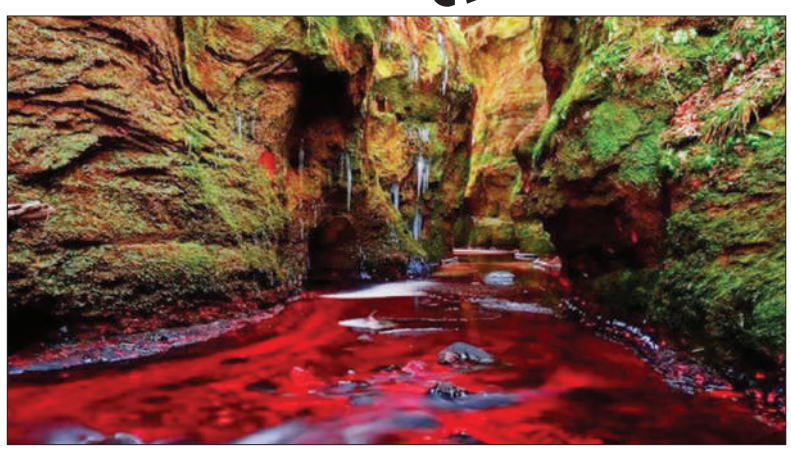

धरती पर कई ऐसे रहस्य हैं, जिनके बारे में आज तक वैज्ञानिक पता नहीं लगा पाए हैं। दुनिया में कई ऐसे रहस्य हैं जिन पर यकीन कर पाना मुश्किल होता है। इन रहस्यों को सुलझाने की कोशिश में वैज्ञानिक लगे हुए हैं। दुनिया के कई रहस्यों से वैज्ञानिकों ने पर्दा उठा दिया है, जबकि कुछ रहस्य आज भी राज हैं। दुनिया में कई रहस्यमयी जंगल, पहाड़, नदी और द्वीप हैं, जिनके रहस्य के बारे में अभी तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि सोशल मीडिया पर कभी-कभी ऐसी रहस्यमयी चीजें वायरल होती रहती हैं जिनके बारे में जानकर लोग हैरान हो जाते हैं। लेकिन इनकी सच्चाई कुछ और ही होती है। अब इस बीच सोशल मीडिया पर एक ऐसी ही रहस्यमयी तस्वीर वायरल हो रही है। कई लोगों ने इंटरनेट पर खून की नदी की तस्वीर शेयर की है। अमेरिका के सोने की खदानों के बीच खून की नदी होने की बात कही गई है। लेकिन इस वायरल तस्वीर की सच्चाई कुछ और ही है। आइए जानते हैं कि वायरल तस्वीर में जिसे खून की नदी बताया जा रहा है आखिर वह क्या है? एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुछ लोगों ने रेडिट पर अमेरिका के साउथ डकोटा में खून की नदी को खोजा है। इसके अलावा गूगल मैप्स के कई स्क्रीनशॉट में लाल रंग की नदी देखी गई है। एक शख्स ने गूगल मैप्स के स्क्रीनशॉट को शेयर करते हुए लिखा है कि मैंने साउथ डकोटा में खून की नदी की खोज की है। यह राज्य के पश्चिम में मौजूद है। इस शख्स ने दावा किया है कि इस इलाके में सोने का भंडार भी हैं। शख्स के दावे के बाद लोग लाल रंग की नदी को देखकर हैरान हैं। कुछ स्थानीय लोगों ने इस बात की पुष्टि की है कि इलाके में एक नदी है जिसका रंग लाल है। लेकिन सच्चाई इसके बिल्कुल उलट है।

एक शख्स ने गूगल मैप्स से लिए गए स्क्रीनशॉट की सच्चाई बताई है। उसका कहना है कि साउथ डकोटा में एक नदी का पानी लाल हो गया। हालांकि उसने यह भी कहा है कि यह कोई खून की नदी नहीं है। शख्स ने बताया है कि इसके पास कई फैक्ट्रियां हैं जिनसे खतरनाक केमिकल निकलकर इस नदी में मिलते हैं जिसकी वजह से यह नदी लाल हो गई है। दूर से देखने पर यह नदी लाल नजर आती है जिसकी वजह से लोगों को गलतफहमी हो जाती है। इस इलाके में सोने, बालू, पत्थर के भंडार हैं। यह इलाका कभी सोने की खदान के लिए जाना था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसे साल 2001 में बंद कर दिया गया।

लोकतंत्र की सीरियल किलर है भाजपा : अखिलेश

महंगाई के साथ बेरोजगारी भी बढ़ी, नौजवान कर रहे आत्महत्या

अभी तक ब्याज लूटा जा रहा था अब लूटे जा रहे हैं लॉकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा है कि भाजपा लोकतंत्र की सीरियल किलर है। लोकतंत्र में वोट कैसे लूटा जाता है, भाजपा उसकी एक्सपर्ट पार्टी बन गई है। भाजपा से निष्पक्ष चुनाव की उम्मीद करना अपने आपको धोखा देना होगा। महंगाई की मार के साथ बेरोजगारी की भी मार पड़ रही है। लोग आत्महत्या कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एटा में पुलिस कसान और डीएम ने मिलकर सपा प्रत्याशी को पर्चा नहीं भरने दिया। फर्रुखाबाद के साथियों के साथ भी यही हुआ। भाजपा सरकार से बीडीसी, प्रधान सभी दु:खी है। सपा पार्टी अपने प्रत्याशियों को जिताने की लड़ाई लड़ रही है। जो लोग सपा की लाल टोपी पर न जाने क्या-क्या कहते थे, आज खुद टोपी पहने बैठे हैं। बलिया में यूपी बोर्ड परीक्षा के पेपर लीक का खुलासा करने वाले पत्रकार को गिरफ्तार कर लिया गया। पत्रकार साथी भाजपा राज में सुरक्षित नहीं। उन्होंने कहा कि सत्ता से टकराने वालों के यहां बुलडोजर चलाया जाता है। नौजवानों का भविष्य अंधकारमय है। राज्य में नई सरकार तो है नहीं, पुरानी सरकार ही सत्ता में आई है तो इसे बताना चाहिए कि नौजवानों को रोजगार कब मिलेगा? अच्छी डिग्री और अच्छी पढ़ाई करने के बाद भी नौजवान घर में बैठा है।

वह भटक रहा है। आत्महत्या कर रहा है। अस्पतालों में इलाज और दवाइयां नहीं मिल रही हैं। मरीजों को बाहर से दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। कानपुर लॉकर मामले में उन्होंने कहा कि अभी तक ब्याज लूटा जा रहा था, अब लॉकर लूट रहे हैं। अब हर जिले में बैंक लॉकर से लूट होगी। लॉकर में जिनका सामान है, वह अपने लाकर चेक कर लें। शिवपाल यादव के भाजपा में जाने के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि ऐसी बातों पर समय व्यर्थ न करें। विधान सभा चुनाव के बाद पहली बार कन्नौज आए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यालय में एमएलसी चुनाव को लेकर प्रधानों, सभासदों, बीडीसी व जिला पंचायत सदस्यों के साथ बैठक की और सपा प्रत्याशी हरीश यादव के लिये समर्थन मांगा।

बलिया में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या से सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। फेफना में एक प्रॉपर्टी डीलर की गला काटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। इस मामले में वारदात की जानकारी होने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

शहर से सटे अगरसंडा गांव निवासी उमेश यादव (40) प्रॉपर्टी का काम करते थे। वह एक स्कूल के बगल में खरीदी जमीन के प्लाट में अपना घर बनवा रहे थे। देर रात करीब 10 बजे निर्माणाधीन आवास से बाइक से घर लौट रहे थे। पहले से घात लाकर गेहूं के खेत में छिपे बदमाशों ने हमला कर दिया। वह जान बचाने के लिए आवास की तरफ भागे लेकिन बीच रास्ते में गिर पड़े। बदमाशों ने वहीं पर धारधार हथियार से उनका गला काट दिया। सूचना पर पहुंचे स्वजन उन्हें लेकर उपचार के लिए जिला अस्तपाल पहुंचे, वहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। शरीर पर 15 -20 जख्म के निशान हैं। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई। एसपी राजकरन नय्यर, एएसपी विजय त्रिपाठी, सीओ सदर जगवीर सिंह व थाना प्रभारी सुनील तिवारी मौके पर पहुंचे और मामले की तफ्तीश में जुट गए, स्वजनों व आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ली। फोरेंसिक टीम ने नमूना लिया। स्वजनों का रोते-रोते बुरा हाल है। घटना को लेकर गांव में आक्रोश बना हुआ है। पुलिस कुछ लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

लोक सभा चुनाव में भी भाजपा के साथ जारी रहेगा गठबंधन : संजय

निषादराज की जयंती पर थिरके कैबिनेट मंत्री समर्थकों का बढ़ाया उत्साह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री बने निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. संजय निषाद बुधवार को संगम नगरी के श्रृंगवेरपुर में गंगा के तट पर निषादराज गुह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उनके आगमन पर भोजपुरी गीत बजा तो वह अपने पैर न रोक सके और समर्थकों के साथ जमकर झूमे।

उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक निषादराज के किले के साथ आसपास के क्षेत्र का भी सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। बिजली, पानी, सड़क जैसी अन्य सुविधाएं भी बेहतर जाएंगी। प्रदेश में अब जनता के लिए रामराज्य आने जा रहा है। भाजपा के साथ उनका गठबंधन प्राकृतिक है। यह 2024 के लोक सभा चुनाव में भी रहेगा।

दोपहर करीब दो बजे कैबिनेट मंत्री परिवार के साथ पहुंचे। तमाम कार्यकर्ताओं ने उनका फूल बरसा कर स्वागत किया और डीजे की धुन पर डांस भी करने लगे। संजय निषाद पहले अपनी कार पर ही बैठे रहे और रास्ता खाली होने का इंतजार करने लगे। उत्साही कार्यकर्ता जब नहीं हटे तो वह स्वयं गाड़ी से उतर गए और डीजे की धुन पर थिरकने लगे और बाद में कार्यक्रम में शिरकत की।

डीएम अभिषेक प्रकाश की शानदार पहल, लोगों को प्रेरित कर लखनऊ को करेंगे हरा-भरा

राजधानी में जनसहभागिता से वृक्षारोपण अभियान चलाने को दिए पांच मंत्र

परिवार के सदस्यों के नाम फलदार वृक्ष लगाने को प्रेरित करेंगे अधिकारी

वृक्षारोपण को हर विभाग लेंगे 15 से 20 विद्यालयों को गोद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ को हरा-भरा बनाने के लिए डीएम अभिषेक प्रकाश ने शानदार पहल की है। उन्होंने वन विभाग और उससे जुड़े विभाग के अधिकारियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी और नागिरक अन्य लोगों को प्रेरित करें कि वह अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर एक-एक फलदार वृक्ष लगाए। इसके साथ ही गोमती नदी के दोनों किनारों पर एक से पांच किलोमीटर के दायरे में सघन वृक्षारोपण कराने के भी निर्देश दिए।

डीएम अभिषेक प्रकाश ने राजधानी में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने के लिए पांच मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी-नागरिक अन्य लोगों को प्रेरित करेंगे कि वह अपने परिवार के सदस्यों के नाम एक-एक फलदार वृक्ष लगाएं। इन वृक्षों की देखभाल उनके फल देने की क्षमता विकसित होने तक की जाएगी। वृक्ष सामुदायिक भूमि और पार्क में लगाये जाएंगे। प्रत्येक अधिकारी-नागरिक अपने घर परिवार, आस पड़ोस व समाज के लिए औषधीय वृक्ष लगाएंगे। जो हम खुद भी इस्तेमाल कर सके और हमारे आस-पास के लोग भी इस्तेमाल कर सकें। औषधीय वृक्षों का भी रोपण जनमानस के द्वारा किया जाएगा, इसके लिए सभी विभाग औषधीय वृक्षों के रोपण कार्य का अनुश्रवण करेंगे। औषधीय वृक्षारोपण अपने व अपने परिवार की आवश्यकता के अनुरूप लगाएंगे। जो भी वृक्षारोपण किया जाएगा वह जनपद द्वारा जीपीएस ट्रैक के साथ विकसित 'माई ट्री' एप पर अपलोड किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग 15 से 20 विद्यालय गोद लेंगे व इन विद्यालयों में 75 फलदार वृक्ष लगाएंगे, ये 75 पेड़ आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'अमृत वन' कहलाएंगे। जनपद लखनऊ में लगभग 5000 विद्यालय हैं। गोमती नदी के दोनों किनारों पर 1-5 किमी तक समस्त विभाग अपने-अपने क्षेत्र चिन्हित कर लें व सघन वृक्षारोपण सुनिश्चित करायें।

उर्दू पर विवाद गेम प्लान का हिस्सा!

4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत एक लोकतंत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश है। जहां हर कोई अपनी बात खुलकर रखता है और सभी को कुछ भी करने की आजादी है लेकिन कई बार हमारे आस-पास कुछ ऐसा घटित हो जाता है जब इस फ्रीडम को ताक पर रख दिया जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ लोकप्रिय कंपनी हल्दीराम के साथ, जहां हल्दीराम के पैकेट में उर्दू पर लिखे होने से हंगामा मच गया। आखिर कहां जा रहा है हमारा देश? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, विनोद अग्निहोत्री, डॉ. राकेश पाठक, उमाशंकर दुबे, सुशील दुबे, कुर्बान अली, प्रो. लक्ष्मण यादव और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

कुर्बान अली ने कहा, ये आज का मामला नहीं है। इसके पीछे पूरा गेम प्लान है। जिसे 2014 से इस देश पर लागू किया गया और अभी तो इत्तिदा इश्क है, आगे-आगे देखिए होता है क्या। इस देश को जो हिन्दू राष्ट्र बनाने का प्लान है, जिसके लिए संघ परिवार मैसेज करता रहता है कि इस मुल्क में हिन्दू सर्वश्रेष्ठ है और बाकी जो है, वे दूसरे दर्जे के नागरिक हैं। उनको रहना है तो सिर झुका के रह सकते हैं।

विनोद अग्निहोत्री ने कहा, ये सब चल तो 1925 से रहा है, उतार-चढ़ाव आते रहे। हां, 2014 से इसमें तेजी आई है। महिला पत्रकार सवाल पूछ रही है, उसे पहले संविधान पढ़ना चाहिए। संविधान में सभी भाषाएं है और उर्दू को वे केवल मुसलमानों की भाषा बता देते हैं और जिन सज्जन ने वीडियो डाला, उनका तो यह एजेंडा है।

अशोक वानखेड़े ने कहा, क्या इस देश में स्वदेश या जो संघ की पत्रिका निकलती है वहीं तय करेगी पत्रकारिता या बाकी भी पत्रकारिता है। उस पत्रकार ने ये सवाल पूछकर एक तरीके से फ्रंट खोल दिया है। आज उर्दू को मुसलमानों की भाषा समझते हैं। फिलहाल कई उदाहरण है, मगर ये जो है एकतरफा नहीं है, दोनों ओर है। डॉ. राकेश पाठक ने कहा, हमारा धर्म मानव धर्म है, जब तक हम जैसे लोग ये लड़ाई नहीं लड़ेंगे, धर्म की बेड़ियों को नहीं तोड़ पाएंगे। सुशील दुबे ने कहा, अगर नुक्ता नहीं है तो सारी भाषाएं बेकार हैं। सारे जहां से हिंदोस्तां हमारा क्यों कहते है, क्यों नहीं कहते भारत हमारा। उर्दू से अगर दिक्कत हैं, तो उर्दू जिस पे लिखी है उसे खाना छोड़ दे। बहुत सी बातें हैं। हां, कुछ घटनाएं है, उनकी निंदा होनी चाहिए। उमाशंकर दुबे ने इस मुद्दे पर पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी के जरिए अपने विचार रखे। प्रो. लक्ष्मण यादव भी परिचर्चा में शामिल हुए।

लखनऊ में कुत्तों ने दो बच्चों पर किया हमला, एक की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के ठाकुरगंज इलाके में कुत्तों के झुंड ने दो मासूम भाई-बहन पर हमला बोल दिया। हमले में पांच साल के रजा की मौत हो गई जबकि उसकी सात साल की बहन सबीहा बुरी तरह से घायल है, जिसका इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। नाराज लोगों ने थाने का घेराव किया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम से इस बाबत शिकायत भी की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

स्थानीय लोगों ने किया थाने का घेराव, नगर निगम पर लापरवाही का आरोप

ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के मुसाहिबगंज में आवारा कुत्तों ने दो बच्चों को बुरी तरह से नोंच डाला। जिसके बाद इलाज के दौरान 5 साल के रजा की मौत मौत हो गई जबकि 7 साल की सबीहा गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए ठाकुरगंज थाने का घेराव भी किया। लोगों की मांग थी कि हादसे के लिए जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई हो और रजा के परिजनों को मुआवजा मिले। इसके बाद इंस्पेक्टर ठाकुरगंज हरिशंकर चंद ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया।

एमएलसी चुनाव: वोटिंग से पहले उन्नाव के कई सपा नेता पार्टी से हुए बाहर

पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते अखिलेश ने दिखाया बाहर का रास्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एमएलसी चुनाव के दौरान पार्टी का विरोध करने वाले उन्नाव के कई बड़े नेताओं को निष्कासित कर दिया है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने पत्र जारी कर कहा है कि अखिलेश यादव के निर्देश पर इन पर कार्रवाई की गई है। निष्कासित किए गए नेताओं में ब्लॉक प्रमुख जितेंद्र यादव, ज्ञानेन्द्र सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि गंजमुरादाबाद विवेक पटेल और अर्जुन दिवाकर को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के कारण तत्काल प्रभाव से छह वर्ष के लिए निष्कासित किया जाता है।

बता दें कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद अब राजनीतिक दलों की नजर विधान परिषद यानी एमएलसी चुनाव पर है। प्रदेश की 36 विधान परिषद की सीटों पर नौ अप्रैल को मतदान होना है। समाजवादी पार्टी ने इससे पहले भी उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव में पार्टी का विरोध करने के आरोप में गाजीपुर के पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) कैलाश सिंह समेत चार नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

अर्धसैनिक बल की मौजूदगी में होगा चुनाव

विधान सभा चुनाव के बाद इस बार विधान परिषद चुनाव भी कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच संपन्न कराने की तैयारी है। पहली बार चुनाव में अर्धसैनिक बल भी तैनात रहेगा। डीजीपी मुख्यालय ने विधान परिषद चुनाव के लिए 58 कंपनी अर्धसैनिक बल की मांग की है। एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि नौ अप्रैल को विधान परिषद का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आठ कंपनी पीएसी भी मुस्तैद रहेगी। चुनाव के दौरान जिलों में कड़े सुरक्षा प्रबंध कराए जाने के निर्देश दिए हैं।

तीन दिन बंद रहेंगी शराब की दुकानें

चुनाव के मद्देनजर लखनऊ में तीन दिनों तक शराब की दुकानें बंद रहेंगी। लखनऊ उन्नाव क्षेत्र विधान परिषद सीट के लिए वोटिंग नौ अप्रैल को होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक प्रकाश के मुताबिक आयोग के नियमों अनुसार मतदान के 48 घंटे पहले से जिले में शराब की बिक्री पूरी तरह से प्रतिबंधित होगी। सात अप्रैल यानी आज शाम चार बजे से जिले की समस्त बीयर, अंग्रेजी और देसी शराब की दुकानें मतदान होने तक यानी 9 अप्रैल तक पूरी तरह बंद रहेगी। कहीं पर भी किसी तरह से शराब की बिक्री की इजाजत नहीं होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा, यदि कोई भी लाइसेंस धारक या अन्य किसी जगह पर शराब की बिक्री होती पाई गई तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राज्य के संसाधनों पर पहला हक गरीबों का: खन्ना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» वित्तमंत्री ने राजस्व प्राप्तियों का दिया हिसाब

लखनऊ। यूपी के वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि राज्य के संसाधनों पर पहला हक गरीबों का है। भाजपा अपने संकल्प पत्र के प्रत्येक वादे को पूरा करने के साथ वित्तीय प्रबंधन पर पूरा नजर रखेगी।

सरकार ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगी, जिससे लगे कि खजाना लुटाया जा रहा है। वित्तमंत्री ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष 2021-22 में 1 लाख 47 हजार 843 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई है। जो कि 2020-21 के मुकाबले 25 हजार 226 करोड़ ज्यादा है। इसके पहले 2020-21 में 122226 करोड़ की प्राप्ति हुई थी। राज्य को जीएसटी के मद में 9649 करोड़, वैट में 4945.24 करोड़ अधिक, आबकारी में 6260.79 करोड़ ज्यादा राजस्व की प्राप्ति हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा ऐसा कुछ नहीं होगा जिससे वित्तीय प्रबंधन पर नकारात्मक प्रभाव पड़े। चुनाव में कुछ दलों ने बिना सोच विचार के जिस तरह वादे किए और एजेंडा दिया वह बड़ी चुनौती थे। जनता ने उन पर भरोसा नहीं किया। मंत्री ने कहा कि जनता ने भाजपा के संकल्प पत्र पर भरोसा किया है। सरकार संकल्प पत्र को लागू करेगी और वित्तीय प्रबंधन पर भी नजर रखेगी।

आतंकियों का हौसला बढ़ाने के काम में लगा विपक्ष: केशव मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोरखपुर में तीन अप्रैल को गोरखनाथ मंदिर के प्रवेश द्वार पर पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला करने वाले अहमद मुर्तजा अब्बासी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने तगड़ा तंज कसा है। केशव प्रसाद मौर्य अखिलेश यादव के बयान से काफी हैरान हैं और उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव आतंकियों का हौसला बढ़ाने के अपने काम में लगे हैं।

गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर के बाहर सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाले अहमद मुर्तजा अब्बासी के आतंकी कनेक्शन सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश एटीएस ने अपनी पड़ताल तेज कर दी है। ऐसे में नेताओं के बीच भी शब्दों के बाणों ने भी गति पकड़ ली है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के अहमद मुर्तजा अब्बासी को लेकर बयान पर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने तगड़ी प्रतिक्रिया दी है। डिप्टी सीएम ने कहा कि अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी का हमेशा से आतंकवादियों से गहरा रिश्ता है। उन्होंने 2013 के आतंकी हमलों के मामले वापस ले लिए थे। गोरखनाथ मंदिर पर हमला सामान्य नहीं है, यह बहुत गंभीर है। मैं आतंकवादियों का मनोबल बढ़ाने के उनके प्रयासों की निंदा करता हूं। अखिलेश यादव को जानलेवा हमले के मामले में एक आरोपित पर खुलेआम टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। वह पूर्व सीएम हैं, हमारे सुरक्षाकर्मियों ने उसे आतंकवादी संगठनों से जुड़े होने के बाद अपनी जान जोखिम में डालकर पकड़ लिया। उनका बयान निंदनीय है। अब तो तय है कि समाजवादी पार्टी आने वाले समय में समाप्त पार्टी बन जाएगी।

श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट की जमीन का लीज एग्रीमेंट

» उत्तर प्रदेश सरकार और एयरपोर्ट अथारिटी के बीच हुआ समझौता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामनगरी अयोध्या में श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार बेहद मजबूती से कदम आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूसरे कार्यकाल में उनकी मौजूदगी में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या के विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की 317.855 एकड़ भूमि का नागरिक उड्डयन विभाग एवं एयरपोर्ट अॅथारिटी आफ इंडिया के बीच लीज एग्रीमेंट का कार्यक्रम सम्पन्न हो गया।

उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या के श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट की जमीन के लिए एयरपोर्ट अथारिटी के साथ लीज एग्रीमेंट किया। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में उनके लखनऊ आवास पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट की जमीन एयरपोर्ट अथॉरिटी आफ इंडिया को लीज पर दी गई। श्री राम एयरपोर्ट अयोध्या के लिए राज्य सरकार ने 317.855 एकड़ भूमि खरीदी है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने नागरिक उड्डयन विभाग और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के बीच लीज एग्रीमेंट किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि वायु सेवा केवल एक बड़े तबके तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि एक कामनमैन जो हवाई चप्पल पहनता है वह भी हवाई जहाज की यात्रा कर सके, हमें ऐसी सेवा उपलब्ध करानी होगी। उन्होंने कहा कि बीते पांच वर्ष में बेहतरीन वायु सेवा कनेक्टिविटी में यदि किसी एक राज्य ने अच्छी प्रगति की है तो उसमें उत्तर प्रदेश अग्रणी है। यह सब प्रधानमंत्री की प्रेरणा व मार्गदर्शन के कारण संभव हो पाया है। वर्ष 2017 तक उत्तर प्रदेश में मात्र 02 एयरपोर्ट क्रियाशील थे।

नेपाल सीमा पर खुद को रॉ एजेंट बताने वाले दो संदिग्ध हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोरखनाथ मंदिर में हमले के प्रयास के बाद भारत नेपाल की सीमा पर विशेष अलर्ट है। इसी बीच महराजगंज के नौतनवा से एक्सयूवी गाड़ी से नेपाल जाने की फिराक में खुद को रॉ एजेंट बताने वाले दो संदिग्धों को पुलिस ने दबोच लिया है।

दोनों आरोपितों के पास से मोबाइल, एक एयरगन, एक रा की एक आईडी (अप्रमाणित) भी बरामद हुई है। दोनों आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद सीमा पर तैनात आईबी, एलआईयू और एसआईओ की टीम पूछताछ में जुट गई है । पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता ने बताया नौतनवा की टीम ने दोनों आरोपितों को एक्सयूवी गाड़ी के साथ नेपाल जाने के दौरान पकड़ा है। दोनों के बारे में बिना जांच कुछ स्पष्ट नहीं बताया जा सकता है। टीमें जांच कर रही है। दोनों आरोपित बनारस के हैं। इसमें से एक का नाम राहिल परवेज तो दूसरे का नाम कृष्णा प्रसाद है।

आपराधिक प्रक्रिया पहचान विधेयक पर संसद की मुहर, राज्यसभा से भी पास

राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होते ही आपराधिक प्रक्रिया पहचान विधेयक बन जाएगा कानून

» अमित शाह ने विपक्षी नेताओं पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आपराधिक प्रक्रिया पहचान विधेयक की सिर्फ खामियां गिनाने और एक भी उपयोगी सलाह नहीं देने को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लिया।

राज्यसभा में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार के हर काम को शंका की नजर से न देखे। इस विधेयक को लाने का एकमात्र उद्देश्य अपराधियों के खिलाफ पुख्ता इलेक्ट्रानिक सुबूत जुटाकर जल्द से जल्द सजा दिलाना है। विपक्ष को इसमें राजनीति नहीं देखनी चाहिए। आपराधिक प्रक्रिया पहचान विधेयक राज्यसभा में पारित हो गया। लोकसभा ने इसे दो दिन पहले ही पास कर दिया था। अब राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन जाएगा, जो बंदी पहचान अधिनियम, 1920 का स्थान लेगा। दरअसल लोकसभा में कांग्रेस के मनीष तिवारी के बाद राज्यसभा में पी चिदंबरम ने भी विधेयक को असंवैधानिक, मानवाधिकारों के खिलाफ, निजता के अधिकारों के हनन करने वाला और पुलिस को अत्यधिक शक्तियां देने वाला बताया। तृणमूल कांग्रेस, सपा, राजद, वामपंथी दलों समेत अन्य विपक्षी पार्टियों ने भी इन्हीं तर्कों के आधार बिल का विरोध किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।